Dainik Bhaskar **Date: 04.12.2019**

स्टूडेंट्स के लिए इन्नोवेशंस इन बायोटेक्नोलॉजी पर वर्कशॉप की

सिटी रिपोर्टर | श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने द बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, इंडिया के साथ कक्षा 11 वीं और 12 वीं के स्टूडेंट्स के लिए एक दिनी कार्यशाला की। यह कार्यशाला इन्नोवेशंस इन बायोटेक्नोलॉजी विषय पर की गई। इसमें इंदौर, उज्जैन और देवास के विभिन्न स्कूलों के स्टूडेंट्स और टीचर्स ने भाग लिया। वैष्णव विद्यापीठ के निदेशक डॉ. के. एन. गुरुप्रसाद ने बीजों के मैग्नेटो-प्राइमिंग के सकारात्मक प्रभावों पर बात की। एमआरएसएसी की प्रो. डॉ। मोनिका जैन ने प्लांट टिशू कल्चरः टूल्स और तकनीक पर बात की। श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज के समन्वयक डॉ. विनोद धर ने जैव उर्वरक उत्पादन और वर्मीकम्पोस्टिंग की तकनीक पर चर्चा की। डॉ. श्वेता अग्रवालने सूक्ष्म जीवों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक-वेस्ट के बायोरेमेडिएशन के लिए आगामी तकनीकों पर बात की। बायो इन फॉरमैटिक्स की दुनिया के रहस्यों पर साइंस्टिस्ट अनुराज नयारसेरी ने बात की। कार्यशाला उद्घाटन कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने किया। उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी के नवाचारों और अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। डॉ. श्वेता अग्रवाल संचानल किया और आभार भी माना।

Dabang Dunia Date: 04.12.2019

'इनोवेशंस इन बायोटेक्नोलॉजी' विषय पर हुई कार्यशाला

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय (एसवीवीवी) द्वारा द बायोटेक रिसर्च सोसायटी, इंडिया (बीआरएसआई) के प्रायोजन के तहत मंगलवार को संस्थान में 11वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका विषय 'इनोवेशंस इन बायोटेक्नोलॉजी' था।

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय का आयोजन

इस मौके पर इंदौर, उज्जैन और देवास के विभिन्न स्कूलों से छात्रों एवं अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन एसवीवीवी के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी के नवाचारों और अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मुख्य वक्ता श्री वैष्णव विज्ञान संस्थान (एसवीआईएस) के निदेशक डॉ. केएन गुरुप्रसाद ने कार्यशाला के विवरण और छात्रों के लिए इसकी उपयुक्तता पर प्रकाश डाला। अगले सत्र में एमआरएससी, इंदौर की प्रो. डॉ. मोनिका जैन ने प्लांट टिशू कल्चर- टूल्स और तकनीक विषय पर चर्चा की। एसवीआईएस के जीवन विज्ञान विभाग से असिस्टेंट प्रो. डॉ. श्वेता अग्रवाल ने सूक्ष्मजीवों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक-वेस्ट के बायोरेमेडिएशन के लिए आगामी तकनीकों पर चर्चा की। बायो इनफॉरमेटिक्स की दुनिया के रहस्यों के अनावरण पर इंदौर के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. अनुराज नयारसेरी ने चर्चा की। श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज के समन्वयक डॉ. विनोद धर ने जैव उर्वरक उत्पादन और वर्मी कम्पोस्टिंग की तकनीक पर चर्चा की। अंत में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। आभार डॉ. श्वेता अग्रवाल ने माना।